



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-एम.एच.-अ.-12032026-270888
CG-MH-E-12032026-270888

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 171]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 11, 2026/फाल्गुन 20, 1947

No. 171]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 11, 2026/PHALGUNA 20, 1947

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

शुद्धि-पत्र

मुंबई, 10 मार्च, 2026

सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जीएन/2026/297.—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) की तारीख 20 जनवरी, 2026 की अधिसूचना सं. सेबी/एलएडी-एनआरओ/जीएन/2026/295 (जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित हुई थी) में, हिन्दी रूप में –

1. पृष्ठ सं. 1 पर, शब्दों तथा चिह्न "ये विनियम राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।" को अंक, चिह्नों तथा शब्दों "2. ये विनियम राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।" के रूप में पढ़ा जाएगा।
2. पृष्ठ सं. 1 पर, अंकों, चिह्नों तथा शब्दों "2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 में -" को अंकों, चिह्नों तथा शब्दों "3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 में -" के रूप में पढ़ा जाएगा।
3. पृष्ठ सं. 2 पर, पैरा (I) के खंड (क) में दिए हुए शब्दों, चिह्नों तथा अंक "प-विनियम (1क)" को शब्दों, चिह्नों तथा अंक "उप-विनियम (1क)" के रूप में पढ़ा जाएगा।
4. पृष्ठ सं. 3 पर, पैरा (V) के खंड (क) में, मद सं. (ii) में दिए हुए शब्दों, चिह्नों तथा अंक "ष्टीकरण (1) में" को शब्दों, चिह्नों तथा अंक "स्पष्टीकरण (1) में" के रूप में पढ़ा जाएगा।

5. पृष्ठ सं. 4 पर, पैरा (VI) के खंड (ग) में दिए हुए शब्दों, चिह्नों तथा अंक “प-विनियम (3) के बाद” को शब्दों, चिह्नों तथा अंक “उप-विनियम (3) के बाद” के रूप में पढ़ा जाएगा।
6. पृष्ठ सं. 5 पर, पैरा (VI) के खंड (घ) में, मद सं. (iii) में, उप-मद सं. (1) में दिए हुए शब्दों तथा चिह्नों “ब्दों “परंतु यह” के बाद” को शब्दों तथा चिह्नों “शब्दों “परंतु यह” के बाद” के रूप में पढ़ा जाएगा।
7. पृष्ठ सं. 6 पर, पैरा (XI) के खंड (ग) के बाद दिए हुए शब्दों, चिह्नों तथा अंक “उप-विनियम (7) में” को चिह्नों, अक्षर, शब्दों तथा अंक “(घ) उप-विनियम (7) में” के रूप में पढ़ा जाएगा।

बबीता रायुडू, कार्यपालक निदेशक

[विज्ञापन-III/4/असा./740/2025-26]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

CORRIGENDUM

Mumbai, the 10th March, 2026

No. SEBI/LAD-NRO/GN/2026/297.—In the notification of the Securities and Exchange Board of India, No. SEBI/NRO-GN/2026/295 dated January 20, 2026 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, in the English version –

1. in page 13, the enabling provision, shall be read as –

“**No. SEBI/NRO-GN/2026/295** - In exercise of the powers conferred by section 11, sub-section (2) of section 11A and section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) read with section 31 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), the Board hereby makes the following regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, namely:-”

2. in page 13, in regulation 39, sub-regulation (2) shall be read as -

“(2) The listed entity shall effect credit of securities pursuant to investor service requests in relation to subdivision, split, consolidation, renewal, exchanges and issuance of duplicate securities on account of loss or old decrepit or worn out certificates in dematerialised form within a period of thirty days from the date of receipt of such request along with relevant documents.”

3. in page 14-15, in paragraph VI.(c):

- I. the un-numbered clause shall be numbered and read as clause (i).
- II. the numbering of exiting clause (i) shall be read as clause (ii).

4. in page 16, in paragraph XI.(d):

- I. the un-numbered clause above clause (ii) shall be numbered and read as clause (i).
- II. the numbering of clause (ii) above clause (iv) shall be read as clause (iii).
- III. the numbering of clause (i) below clause (v) shall be read as clause (vi).

BABITHA RAYUDU, Executive Director

[ADVT.-III/4/Exty./740/2025-26]